

90

माननीय न्यायालय श्रीमान राजस्व मण्डल ग्वालियर म.प्र.

प्र.क्र. रिचीजन 16

R 4347-PB8-16

शिवनारायण पुत्र वद्रीलाल ब्राह्मण आयु 85 वर्ष
पंथाखेती निवासी नाईपुराकंला तहसील चाचौडा
जिलागुनाम. प्र. रिचीजनकर्ता

वनाम

लीलावाई पत्निअमरसिंह जातिगुजर निवासी
गुजारी तहसील चाचौडा जिलागुनाम. प्र.

.... प्रतिरिचीजनकर्ता

रिचीजन अन्तर्गत धारा 50 भू. रा. सं.

=====

माननीय न्यायालय श्रीमान नायवत तहसीलदार
महोदय चाचौडा के प्रकरणक्रमांक 3 अ6/16-17
पारित आदेश दिनांक 22-12-16 से दुखी होकर
यह रिचीजनपत्र अन्तर्गत अन्दर अवधि नियत न्या
शुल्क सहित श्रीमानके श्रवण क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत
प्रस्तुत हैं।

=====

माननीय महोदय,

1: रिचीजन का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार हैं।

४ अ० यह कि माननीय न्यायालय श्रीमान नायव तहसीलदार महोदय चाचौडा
जिलागुनाके न्यायालयमे नामांतरण हेतु आवेदनपत्र लीलावाई ने प्रस्तुत किया
है जो प्रकरणक्रमांक 3 अ6/16-17 पर दर्ज होकर विचाराधीन है और इस
प्रकरणमे रिचीजनकर्ता द्वारा आपत्ति पेशकी है और रिचीजनकर्ता सहकृषक
जिसका व्यवहार वाद की अपील चल रही है और बहुत सहकृषक है उनको सुने
बिना विधि कापालन किये बिना माननीय अधिनस्थ न्यायालय ने लीलावाई
प्रतिरिचीजनकर्ता के कथल लिये और लीलावाई के कथन प्रारम्भ हुये तो
रिचीजनकर्ता की ओर से लीलावाई से प्रतिपरीक्षण प्रारम्भ किया और
दिलांक 25-2-16 को प्रतिपरीक्षण करनेके दोरान न्यायालय का समय समाप्त

रिची

श्री. चतुर्वेदी, का. प्र.

कारा आज दि 26-12-16 को

प्रस्तुत

वत्सल अ. प्र. को. प्र. 16
राजस्व मण्डल म. प्र. ग्वालियर

873
26-12-16

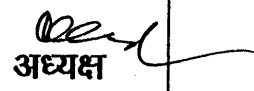
Chaturvedi
26/12/16

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 4347-पीबीआर/2016

जिला गुना

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
08-02-2017	<p>आवेदक अधिवक्ता श्री के०के०द्विवेदी उपस्थित। उन्हें ग्राह्यता पर सुना गया। अधीनस्थ न्यायालय नायब तहसीलदार चाचौडा जिला गुना के द्वारा पारित आदेश दिनांक 22-12-2016 की सत्यप्रतिलिपि का अवलोकन किया गया। तहसील न्यायालय के आदेश के अवलोकन से स्पष्ट है कि तहसील न्यायालय द्वारा आवेदक को अनावेदक के प्रतिपरीक्षण का अवसर नहीं दिया गया है। अतः इस प्रकरण का अंतिम निराकरण तहसील न्यायालय को इस निर्देश के साथ किया जाता है कि वे आवेदक शिवनारायण को अनावेदक लीलाबाई के प्रतिपरीक्षण का अवसर उपलब्ध कराकर प्रकरण का निराकरण करें।</p>	<p> अध्यक्ष</p>